http://www.onlineBU.com

AF-2522

M.A. (Final)
Term End Examination, 2017-18

HINDI

Paper - IV

छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य
(साहित्यिक वर्ग)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 100
[*Minimum Pass Marks* : 36

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) सुनत बात मुसकाइन मोहन
हम फोकट कहवैया नोहन।
केरा जांघ नख्ख है मोती
कहौ बांचिहौ कोनो कोती।

http://www.onlineBU.com

कंवल बरोबर हाथ देखाथै।
छाती हंडुला सोन लजाथे
बोड़री समुंद हवै पंड़की गर
कुदरू ओठ दांत दरभी धर
सूरज-चंदा मुंट में आहै
टेड़गा भऊं अओ कमठा है॥

अथवा

हलका कोनों अंग रहे ना
कोनो गंहिया कोनो तोड़ी
कोनो ला घुंघरू बस भावै।
छुमछुम छुमछुम बाजत जावै
खुलके ककनी हाथ बिराजै
पहिरे बहुंटा अउ पछेला
जेखर रहिस सीख है जेला।

(ख) धारी-गोभी-कांदा-भांटा-साग मीठ है ऐसन
तूंहर बोली-ठोली भौजी, मीठ लागथे जैसन।
मिलवट दार चना राहेर के, बटुरा अऊ तिवरा।

http://www.onlineBU.com

तुंहर देह साही दीखत है, सुन्दर पिऊंरा-
पिऊंरा।
धनिया-मिरचा-लसुन-पुदेना-डारे चुरपुर चटनी॥

अथवा

हमर कतका सुंदर गांव
जइसे लछिमी जी के पांव
घर उज्जर लीपे पोते
जेला देख हवेली रोथे
सुघ्घर चिकनाये भुइया
चाहे भगत परुस ल गूइया।

(ग) डोंगा मा बइठा के मैं नंदिया नहकायंव।
लइका मन ला पोसे बर मजदूरी पाथंव,
बिन डोंगा के का आने धंधा मैं करिहंव,
नइ जानंव मैं कूच्छू बिन मारे के मरिहंव।
तूंहू तो ये भाव सागर ले पार लगाथंव,
बिन धोये नहकइन-मन-डोंगा बइठाथंव॥

अथवा

भरगे ताल तरैया, भैया भरगे ताल तरैया।
झिमिर झिमिर जस पानी बरसे

http://www.onlineBU.com

महकै खेत खार के माटी
घुड़ुर घुड़ुर जस बादर गरजै
डालै नदिया परबत घाटी
नांगर धरके निकलिन घर से, सबै किसान कमैया।

2. छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य के इतिहास एवं साहित्य परम्परा को डॉ० नरेन्द्र देव वर्मा के अनुसार समझाइए। 15

अथवा

छत्तीसगढ़ी की भौगोलिक सीमा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियों का संक्षिप्त समीक्षा कीजिए।

3. पं० सुंदर शर्मा की रचना प्रक्रिया को 'दानलीला' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

पं० शुकलाल प्रसाद पाण्डेय की भाषा-शैली को समझाइए।

अथवा

हरिठाकुर के साहित्यिक अवदान का परिचय देते हुए उनके रचना संसार पर प्रकाश डालिए।

http://www.onlineBU.com

4. निम्नलिखित लघुत्तरीय प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×4

(क) गोपाल मिश्र की भाषा

(ख) पवन दीवान एक परिचय

(ग) गाथा युग

(घ) बस्तरी या हलबी भाषा

(ङ) मानक छत्तीसगढ़ी

(च) छत्तीसगढ़ी विशेषण

(छ) छत्तीसगढ़ी वचन

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **बीस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×20

(क) गाथा युग के पूर्व छत्तीसगढ़ में किस भाषा का प्रचार हुआ था ?

(ख) फूलकुँवर किस युग की गाथा है ?

(ग) 'फूलबासन' में किसकी गाथा है ?

(घ) पण्ड़वानी में किसकी कथा है ?

(ङ) संत धर्मदास किसके शिष्य थे ?

(च) छत्तीसगढ़ी दानलीला किसकी रचना है ?

(छ) छत्तीसगढ़ का गांधी किसे कहा जाता है ?

http://www.onlineBU.com

(ज) छत्तीसगढ़ी ग्राम्य गीत की रचना किसने की ?

(झ) छत्तीसगढ़ी गद्य का प्राचीनतम रूप कहाँ के शिलालेख में मिलता है ?

(ञ) छत्तीसगढ़ी में सर्वप्रथम कथा लेखन की शुरूआत किसने की ?

(ट) छत्तीसगढ़ी का प्रथम उपन्यास क्या है ?

(ठ) 'करमछड़हा' नाटक किसने लिखा ?

(ड) छत्तीसगढ़ी में अनुवाद परम्परा की शुरूआत किसने की ?

(ढ) लघुकथा की शुरूआत छत्तीसगढ़ी में किसने की ?

(ण) मानक छत्तीसगढ़ी कहाँ-कहाँ बोली जाती है ?

(त) बस्तरी कहाँ बोली जाती है ?

(थ) छत्तीसगढ़ का दूसरा नाम क्या है ?

(द) ननद-भौजाइ में कौन-सा समास है ?

(ध) छत्तीसगढ़ी में कका का बहुवचन बनाइए।

(न) छत्तीसगढ़ी के चार कवियों के नाम लिखिए।

http://www.onlineBU.com

(प) 'छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्विकास' के लेखक का नाम क्या है ?

(फ) छत्तीसगढ़ के आदिकाल को किस नाम से जाना जाता है ?

(ब) छत्तीसगढ़ी के एक पत्र का नाम लिखिए।

(भ) 'सुआगीत' कब गाया जाता है ?

(म) 'लपरहा' का हिन्दी रूप बताइए।